

पाकबाज वि. (फा.) शुद्ध हृदय वाला, सदाचारी, सच्चा, नेकनीयत, निष्पाप।

पाकबाजी स्त्री. (फा.) पाकबाज होने का भाव अर्थात् सच्चरित्रता, शुद्धता।

पाकयज्ञ पुं. (तत्.) 1. वृषोत्सर्ग और गृहप्रतिष्ठा आदि के अवसर पर किया जाने वाला वह यज्ञ या होम जिसमें चरु का हवन होता है, खीर की आहुति दी जाती है 2. पंच महायज्ञ में ब्रह्मयज्ञ के अतिरिक्त चार अन्य यज्ञ हैं, वैश्वदेव होम, बलिकर्म, नित्य श्राद्ध और अतिथि भोज।

पाकर पुं. (तत्.) दे. पाकड़।

पाकरिपु पुं. (तत्.) इंद्र।

पाकल पुं. (आयु.) 1. कूट नाम की कुष्ठ की औषधि फोड़े को पकाने की दवा 2. हाथियों को होने वाला कुंजर ज्वर 3. सन्निपात ज्वर जिसमें पित्त प्रबल, वात मध्यम और कफ हीन अवस्था में होता है, इसका रोगी प्रायः तीन दिन में मर जाता है 4. आग 5. हवा।

पाकलि स्त्री. (तत्.) कर्कटी, काकड़ासिंगी।

पाकशाला स्त्री. (तत्.) रसोई घर, बावर्चीखाना।

पाकशासन पुं. (तत्.) 'इंद्र'।

पाक-शास्त्र पुं. (तत्.) तरह-तरह के व्यंजन बनाने की कला, शास्त्र।

पाकशुक्ला स्त्री. (तत्.) खड़िया (मिट्टी)।

पाकस्थली स्त्री. (तत्.) पक्वाशय, उदर का वह स्थान जहाँ द्रव्य जठराग्नि या पाचक रस की क्रिया से आहार पचता है।

पाकस्थान पुं. (तत्.) 1. रसोई घर 2. कुम्हार का आँवा।

पाकहंता पुं. (तत्.) इंद्र (पाक नामक राक्षस को मारने वाले)।

पाकागार पुं. (तत्.) रसोईघर।

पाकातिसार पुं. (तत्.) पुराना अतिसार, वह पुराना रोग जिसमें कुपच अर्थात् भोजन न पच पाने के कारण दस्त होने लगते हैं।

पाकात्यय पुं. (तत्.) आँखों का एक रोग जिसमें आँख का काला भाग सफेद हो जाता है, पुतली का सफेद होना।

पाकारि पुं. (तत्.) 1. इंद्र 2. सफेद कचनार।

पाकिम वि. (तत्.) 1. पका हुआ 2. पाक क्रिया से प्राप्त यथा नमक।

पाकिस्तान पुं. (फा.) हिंदुस्तान के मुस्लिम जनसंख्या प्रधान प्रदेशों यानी सिंध, बलूचिस्तान, पश्चिमोत्तर सीमाप्रांत, पश्चिमी पंजाब और पूर्वी बंगाल (बांग्लादेश) का संघ जो 15 अगस्त 1947 ई. को स्वतंत्र देश बन गया। (1971) में पूर्वी बंगाल "बांग्लादेश" नामक स्वतंत्र देश बन गया है।

पाकिस्तानी वि. (फा.) 1. पाकिस्तान का रहने वाला 2. पाकिस्तान में होने वाला 3. पाकिस्तान से संबंधित।

पाकी स्त्री. (फा.) 1. निर्मलता से रहने वाला 2. पाकिस्तान में होने वाला 3. पाकिस्तान से संबंधित (संबद्ध) 4. निर्मलता, पवित्रता, शुद्धा 5. निष्कलंकता, निर्दोषिता 6. सफाई, स्वच्छता 7. परहेजगारी वि. (तत्.) 1. जो पक्व हो रहा हो या पकने वाला हो, पकने की ओर अभिमुख 2. रसोइया, पकाने वाला जैसे- स्वयं पाकी।

पाकीजा वि. (फा.) 1. पाक, साफ-सुथरा 2. परिमार्जित 3. निर्दोष, निष्कलंक, बेऐब 4. खूबसूरत, सुंदर, हसीन, उम्दा।

पाकु/पाकुल पुं. (तत्.) खाना पकाने वाला पुं. रसोइया, बावर्ची, पाचक।

पाकेट पुं. (अं.) 1. दे. पैकेट 2. नियमित रूप से प्रतिदिन डाक, माल और यात्री लेकर रवाना होने वाला जहाज।

पाक्य वि. (तत्.) पचने योग्य, जो पच सके, पचनीय पुं. (तत्.) 1. काला नमक 2. साँभर नमक 3. शोरा, नौसादर।

पाक्यक्षार पुं. (तत्.) जौ को पकाकर या जलाकर निकाला गया क्षार, जवाखार 2. शोरा।